CULTURAL PRACTICES | किसान मार्गदर्शिका

गेहूँ की उन्नत खेती

सही शुरुआत • संतुलित पोषण • समय पर देखभाल

उत्तर भारतीय मैदानी क्षेत्रों की सिंचित खेती के लिए सामान्य मार्गदर्शन। स्थानीय मौसम, मिट्टी और बीज पैक पर लिखी अनुशंसा के अनुसार अपनाएँ।

यह मार्गदर्शिका DBW 303 (20 किलो और 40 किलो), HD 2967 (40 किलो) और PBW 502 (40 किलो) के लिए एक ही सामान्य मार्गदर्शन है।

DP Agrogenetics Private Limited

खेत और बीज की तैयारी

मिट्टी की जाँच कराएँ। खेत समतल, भुरभुरा और जल निकास वाला रखें। नमी कम हो तो पलेवा करें। फसल अवशेष न जलाएँ; उपयुक्त मशीन से बुवाई करें। सीलबंद बीज, लॉट विवरण और अंकुरण प्रतिशत जाँचें।



बुवाई

बुवाई का सही समय

पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में सामान्यतः 1–15 नवंबर और पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में 10–20 नवंबर उपयुक्त समय है।

पश्चिमी मैदान	पूर्वी मैदान
1–15 नवंबर	**10–20 नवंबर**

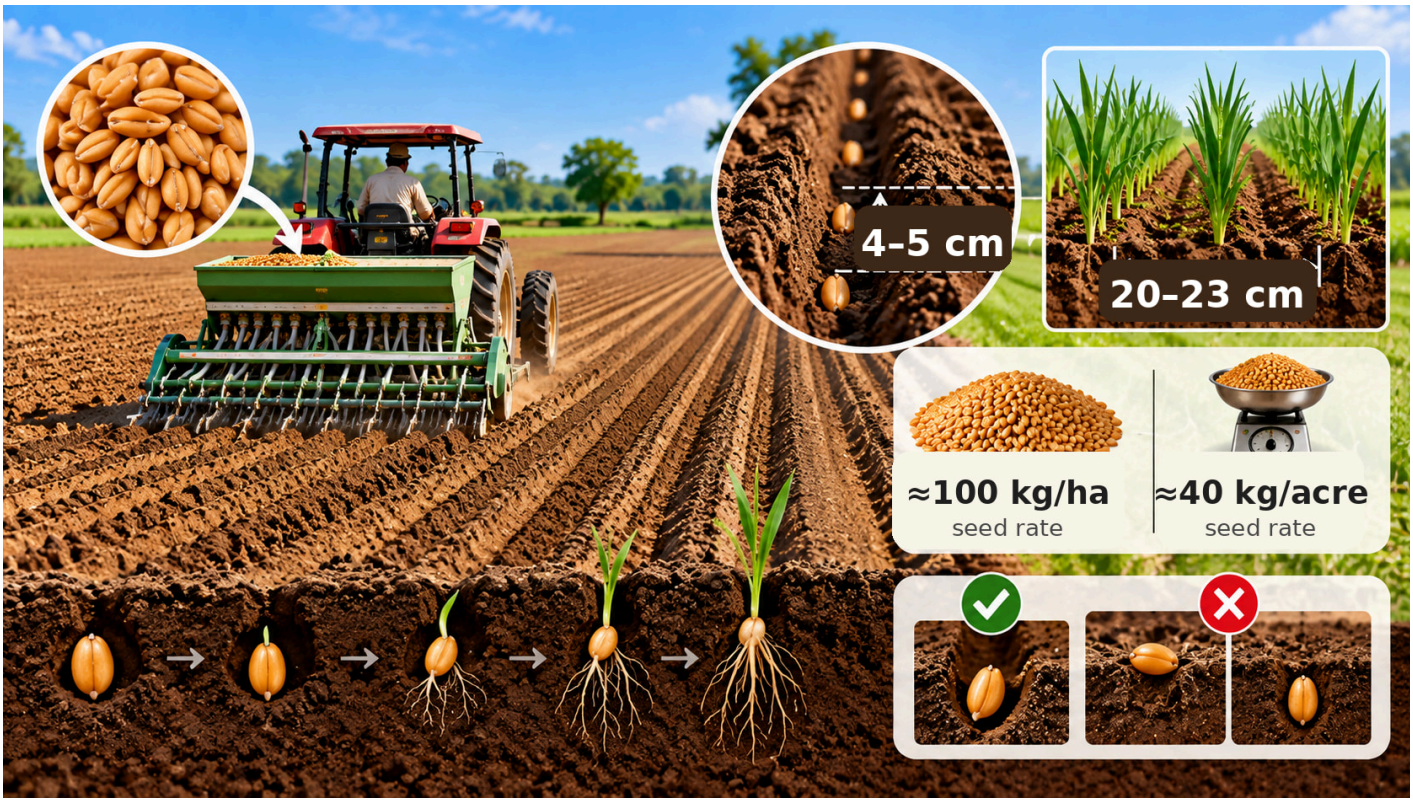
देर से बुवाई की स्थिति में स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र से उपयुक्तता और बीज दर की सलाह लें।



कतारों में समान बुवाई

समय पर बुवाई में लगभग 40 किलो बीज प्रति एकड़ (100 किलो/हेक्टेयर)। कतार दूरी 20–23 सेमी और गहराई लगभग 4–5 सेमी रखें। बीज का आकार, अंकुरण और बुवाई की विधि देखकर मात्रा समायोजित करें।

लगभग 40 किलो/एकड़ **100 किलो/हेक्टेयर** **कतार 20–23 सेमी** **गहराई 4–5 सेमी**



बीज उपचार

पैक पर पहले से उपचारित होने की जानकारी देखें। दोबारा उपचार स्वतः न करें। अनुपचारित बीज में स्थानीय अनुशंसा व उत्पाद लेबल के अनुसार उपचार करें।

खाद सही मात्रा में

मिट्टी की जाँच के आधार पर खाद दें; केवल यूरिया पर निर्भर न रहें।

समय पर बोई गई सिंचित गेहूँ के लिए सामान्य पोषक लक्ष्य: N : P2O5 : K2O = 150 : 60 : 40 किलो प्रति हेक्टेयर, यानी लगभग 61 : 24 : 16 किलो प्रति एकड़।

साधारण यूरिया 46% N, DAP 18:46:0 और MOP 60% K2O के आधार पर। DAP से मिलने वाली नाइट्रोजन घटाकर गणना की गई है।



गेहूँ की खाद अनुसूची — प्रति एकड़

बुवाई के समय

DAP + MOP **53 + 27 किलो**

यूरिया **23 किलो**

पहली सिंचाई के आसपास

यूरिया **44 किलो**

दूसरी सिंचाई के आसपास

यूरिया **44 किलो**

कुल उदाहरण / एकड़

DAP 53 किलो + MOP 27 किलो + यूरिया लगभग 111 किलो प्रति एकड़।

महत्वपूर्ण

यह उदाहरण है; मिट्टी की जाँच, पिछली खाद और स्थानीय सिफारिश के अनुसार बदलें।

नम मिट्टी में टॉप ड्रेसिंग करें; पानी खड़ा होने पर न डालें। खाद को बीज के सीधे संपर्क में न रखें। जिंक, सल्फर आदि केवल प्रमाणित कमी और स्थानीय सलाह के अनुसार दें।

सिंचाई समय पर करें

दिनों की गिनती के साथ फसल की अवस्था, बारिश और मिट्टी की नमी भी देखें।



Wheat Irrigation & Growth Timeline

1	2	3	4	5	6
20-25 days CRI / crown-root MOST IMPORTANT	**40-45 days** Tillering & jointing stage	**60-65 days** Stem elongation stage	**80-85 days** Before heading	**100-105 days** Milk stage	**115-120 days** Grain filling — if needed

Generally 4-6 irrigations may be sufficient; reduce the number according to rainfall and soil moisture.

If water is limited, prioritize the CRI stage. Avoid waterlogging and heavy irrigation during strong winds.

पहली सिंचाई सबसे जरूरी

बुवाई के लगभग 20–25 दिन बाद, मुख्य जड़ें बनने की अवस्था (CRI) पर नमी की कमी न होने दें।

20–25 दिन मुख्य जड़ें बनने की अवस्था (CRI)

40–45 दिन कल्ले और गाँठ बनने की अवस्था

60–65 दिन तना बढ़ने की अवस्था

80–85 दिन बाली निकलने से पहले

100–105 दिन दाने में दूध बनने की अवस्था

115–120 दिन दाना भरने की अवस्था; जरूरत होने पर

ये अनुमानित अवस्थाएँ हैं, हर खेत में 6 सिंचाइयाँ आवश्यक नहीं। सामान्यतः 4–6 सिंचाइयाँ पर्याप्त हो सकती हैं; वर्षा और नमी के अनुसार संख्या घटाएँ।

पानी समान रूप से दें और जलभराव रोकें। तेज हवा में भारी सिंचाई से फसल गिर सकती है। सीमित पानी में CRI को प्राथमिकता दें; अगली सिंचाई स्थानीय सलाह से तय करें।

देखभाल से कटाई तक

खेत की नियमित निगरानी करें और समस्या की पहचान के बाद ही उपचार करें।

खरपतवार की समय पर पहचान

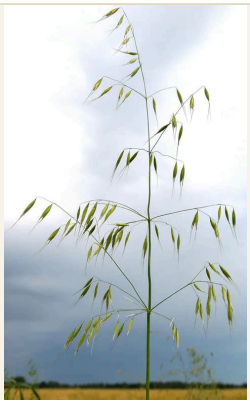
मंडूसी, जंगली जई और बथुआ जैसे खरपतवार पहचानें। शुरुआती अवस्था में नियंत्रण करें; कई बाद में छिड़कने वाली दवाओं का समय लगभग 30–35 दिन होता है। सही उत्पाद, मात्रा, नमी और छिड़काव समय उसके लेबल से तय करें।



मंडूसी

Phalaris minor

शुरुआत में पहचानें। नियंत्रण अनुमोदित लेबल और स्थानीय सलाह के अनुसार करें।



जंगली जई

wild oat

शुरुआत में पहचानें। नियंत्रण अनुमोदित लेबल और स्थानीय सलाह के अनुसार करें।



बथुआ

Chenopodium album

शुरुआत में पहचानें। नियंत्रण अनुमोदित लेबल और स्थानीय सलाह के अनुसार करें।

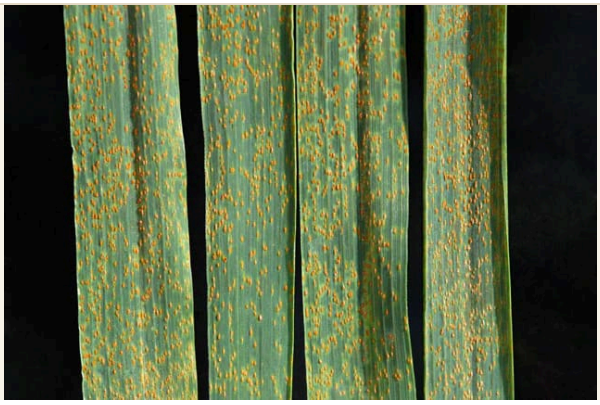
क्या आपको ऐसे लक्षण दिख रहे हैं?

पत्तियों पर पीली या भूरी धूल जैसी धारियाँ, माहू के झुंड और सूखते पौधे दिखें तो कृषि विशेषज्ञ को फोटो दिखाएँ। दीमक व तना बेधक की भी निगरानी करें। मित्र कीट बचाएँ; बिना पहचान दवाएँ मिलाकर न छिड़कें।

केवल संदर्भ चित्र। यह रोग की पहचान नहीं है। प्रभावित फसल का फोटो खींचकर कृषि विशेषज्ञ को दिखाएँ।

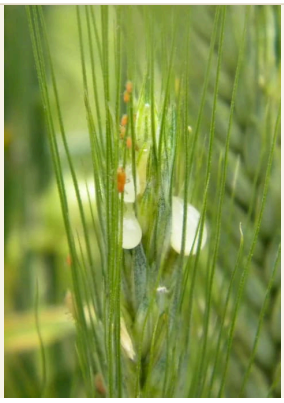


पीली धारीदार रतुआ



भूरी पत्ती रतुआ

कीट — केवल संदर्भ



माहू

Sitobion avenae

केवल संदर्भ चित्र। समस्या की स्थानीय पुष्टि करें और कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।



दीमक

Odontotermes obesus

केवल संदर्भ चित्र। समस्या की स्थानीय पुष्टि करें और कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।



तना बेधक

Sesamia inferens

यह वयस्क पतंगे का संदर्भ चित्र है। यह तने के अंदर का दृश्य नहीं है। केवल संदर्भ चित्र। समस्या की स्थानीय पुष्टि करें और कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।

कटाई और सुरक्षित भंडारण



1. **समय से कटाई** फसल पकने और दाने सख्त होने पर समय से कटाई करें।
2. **साफ तिरपाल** साफ तिरपाल पर सुखाएँ।
3. **नमी 12% से कम** भंडारण से पहले नमी 12% से कम रखें।
4. **सुरक्षित भंडार** साफ, सूखे और कीटमुक्त भंडार में रखें तथा नियमित जाँचें।

उपचारित बीज भोजन या पशु आहार में न दें।

दवा का उपयोग केवल गेहूँ के लिए अनुमोदित लेबल, सुरक्षा निर्देश और स्थानीय कृषि विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार करें। उपज मिट्टी, मौसम और प्रबंधन पर निर्भर है।

तकनीकी संदर्भ

पढ़ने के लिए नाम पर टैप करें

- ICAR-IIWBR: Wheat Cultivation in India, EB-52
- ICAR-IIWBR: November crop advisory
- Vikaspedia: Wheat package of practices